



निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961

प्ररूप-26

11AA 35371

(नियम 4-क देखिए)

19 रायपुर निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र।

मैं त्रिवेन्द्र सिंह रावत पुत्र स्व० श्री प्रताप सिंह रावत आयु 52 वर्ष, जो एस-3, सी-130 डिफेंस कॉलोनी, देहरादून का निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन में अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/शपथपत्र पर निम्नलिखित कथन करता हूँ:-

मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का अभियुक्त नहीं हूँ, जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गये है।

मैं एक माननीय न्यायालय में निम्न वाद लम्बित है:-

मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएं राही

पुलिस थाना (थाने) राही जिला या जिले राही राज्य राही

संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए अभ्यर्थी आरोपित किया गया है



(vi) क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/है नहीं

2 मुझ किसी अपराध (अपराधों) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास से दंडादिष्ट नहीं किया गया है।

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेंगे)– लागू नहीं

- (i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएं नहीं
- (ii) न्यायालय, जिसने दंडित किया है नहीं
- (iii) पुलिस थाना (थाने) नहीं जिला (जिले) नहीं राज्य नहीं
- (iv) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण नहीं जिसके(जिनके) लिए अन्यथा आरोपित किया गया है नहीं
- (v) तारीख (तारीखें) जिनको दंडादेश सुनाया गया था/सुनाए गये थे नहीं क्या दंडादेश सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोका गया है/रोकी गए है नहीं



देहरादून।  
अभिसाक्षी  
तारीख-09.01.2012

[Signature]  
अभिसाक्षी

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित अभिसाक्षी, यह सत्यापित करता/करती हूँ कि इस दाय्यपत्र की अन्तर्गत मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई नाग मिथ्या नहीं है और कोई तात्त्विक बात छिपायी नहीं गई है।

देहरादून स्थान पर आज तारीख 09.01.2012 को सत्यापित किया।

[Signature]  
अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

This affidavit is sworn before me by  
Shri. Km. T. Sharma  
who is identified by Shri. [Signature]  
at Dehradun on 09.01.2012

(Km. T. SHARMA)  
Advocate & NOTARY  
BEND-014